DATE 13.5.24
PAGE No. 1

टैंडर हार्ट हाई स्कूल, सेक्टर 33-बी, चण्डीगढ़

कक्षा - आठ (8) शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण उपविषय - कारक (भाग 1)

पुस्तक - [illegible] हिंदी व्याकरण - 8

शुभ प्रभात प्यारे बच्चो!

आज हम कक्षा आठ की हिंदी व्याकरण की पुस्तक आमोद भाग-8 के पृष्ठ-76 पर दिए 'कारक' के विषय में पढ़ेंगे। यह कार्य आपको 13 मई, 2024 को भेजा जाएगा।

सब बच्चे अपनी पुस्तक का पृष्ठ-76 खोलें तथा अभ्यास-पुस्तिका और लेखनी भी लेकर बैठें। जिससे लिखित कार्य कराए जाने पर आप उस पुस्तिका में लिख सकें। कार्य कराते समय मैं प्रश्न पूछती जाऊँगी। आप सब तीन मिनट का अंतराल लेकर उन प्रश्नों के उत्तर लिखेंगे। अतः सब बच्चे एकाग्रचित्त होकर 'कारक' को पढ़ेंगे।

बच्चो! पहले कुछ उदाहरण देखें —

1. सारा काम नौकरानी ने किया। 'ने' (कर्ता कारक)
2. पुलिस ने चोर को पकड़ लिया। 'को' (कर्म कारक)
3. बच्चे गेंद से खेल रहे हैं। 'से' (करण कारक)
4. नैना पुस्तक के द्वारा पढ़ रही है। 'के द्वारा' (करण कारक)
5. मोहित अपनी बहन के लिए पुस्तक लाया। 'के लिए', 'को'
6. जय ने भिखारी को दस रुपए दिए। 'दिए' (संप्रदान कारक)
7. बच्चा घोड़े से गिर पड़ा। 'से' (अपादान कारक)
8. लोमड़ी शेर से डर गई। 'डर' ,,
9. राम श्याम से अधिक होशियार है। 'तुलना' ,,
10. मोहिनी अध्यापिका से नृत्य सीख रही है। 'सीखना' ,,
11. गंगा गंगोत्री से निकलती है। 'निकलना' ,,

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

DATE 13.5.24
PAGE No. 2

कक्षा- आठ (8) शिक्षिका- सुमन शर्मा
विषय- हिंदी व्याकरण उपविषय- कारक

12. मैं झूठ से घृणा करता हूँ। (अपादान कारक)
13. मेरा गाँव शहर से दूर है। ”
14. माताजी दूध से खीर बनाती हैं। ”
15. मैं आज से पढ़ूँगी। ”
16. बच्चा बड़ों से शर्माता है। ”
17. दूसरों से ईर्ष्या-द्वेष नहीं रखना चाहिए। ”
18. राम का भाई आया है। संबंध कारक
19. गरिमा के पिताजी चिकित्सक हैं। ”
20. विवेक की माता जी अध्यापिका हैं। ”
21. आप मेरा पेन दे दीजिए। ”
22. तुम्हारे भाई कहाँ गए हैं? ”
23. मेरी माता जी आ रही हैं। ”
24. बाज़ार में बहुत भीड़ है। (अधिकरण कारक)
25. बंदर पेड़ पर बैठा है। ”
26. प्रशांत भीतर / अंदर बैठा है। ”
27. अरे भाई! तुम कहाँ जा रहे हो? (संबोधन कारक)
28. बालको! चुप बैठो। ”
29. हे ईश्वर! हमारी रक्षा करो। ”
30. भाइयो और बहनो! देश की उन्नति हमारी उन्नति है। (”)

बच्चो! उपर्युक्त वाक्यों में जो रंगीन शब्द लिखे हैं उनके चिह्न ने, को, से, के द्वारा, को के लिए, से, का, की, के, रा, री, रे, में, पर, भीतर, अंदर, अरे भाई!, बालको!, हे ईश्वर!, भाइयो और बहनो! ये पुकारने के संबोधन चिह्न हैं। यदि इन चिह्नों को वाक्य में से हटा दिया जाए तो वाक्यों का आशय ठीक से समझ में नहीं आएगा। अतः ये सब चिह्न 'कारक' चिह्न कहलाते हैं।

(पृष्ठ-2)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

कक्षा - आठ (8)   शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण   उपविषय - 'कारक'

कारक की परिभाषा :- संज्ञा अथवा सर्वनाम के जिस रूप से उनका संबंध वाक्य के दूसरे शब्दों विशेषकर क्रिया के साथ जाना जाता है, उसे व्याकरण में 'कारक' के नाम से जाना जाता है।

हिंदी में कारकों की संख्या आठ हैं :-

1. कर्ता कारक 2. कर्म कारक 3. करण कारक 4. संप्रदान कारक
5. अपादान कारक 6. संबंध कारक 7. अधिकरण कारक 8. संबोधन कारक।

कारकों के विभक्ति चिह्न :-

कारक	विभक्ति चिह्न / परसर्ग	प्रयोग
कर्ता	ने	स्नेहा ने पत्र लिखा।
कर्म	को	राम ने रावण को मारा।
करण	से, के द्वारा,	राम ने रावण को बाण से मारा।
	के साथ	सीता, राम के साथ वन को गईं।
संप्रदान	के लिए, को	मेरे लिए दूध लेकर आओ।
	देने के अर्थ में	भिखारी को भोजन दो।
अपादान	से, अलग होना,	पेड़ से पत्ता गिरा।
	भय, ईर्ष्या,	राम शेर से डर गया।
	उत्पत्ति, दूरी	मेरा विद्यालय घर से दूर है।
	तुलना, घृणा	हमें किसी से घृणा नहीं करनी चाहिए
	स्रोत, काम का शुरू होना	मैं आज से पढ़ूँगी।
संबंध	का, की, के, रा, री, रे,	मेरी बहन स्कूल नहीं गई।
	ना, नी, ने	निशांत का घर सुंदर है।
अधिकरण	में, पर, पे, अंदर	बच्चे छत पर खेल रहे हैं।
संबोधन	हे, अरे, ओ, ए	हे कृष्णा! मेरी रक्षा करो।

अब हम बच्चो! इनके विषय में विस्तार से पढ़ेंगे।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

कक्षा- आठ (8) शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण उपविषय- 'कारक'

1. कर्ता कारक :- किसी भी क्रिया को करने वाला 'कर्ता' कहलाता है। कर्ता कारक का विभक्ति चिह्न 'ने' है; जैसे- रवि ने फल खरीदे। यहाँ 'रवि' कर्ता कारक है।

कभी-कभी कर्ता कारक में 'ने' विभक्ति का प्रयोग नहीं भी होता; जैसे- गाय घास खा रही है। इस वाक्य में कर्ता 'गाय' है, परन्तु विभक्ति चिह्न 'ने' का प्रयोग नहीं हुआ है। इस आधार पर हम कह सकते हैं कि कर्ता कारक दो रूपों में प्रयोग होता है -

(क) 'ने' विभक्ति सहित (ख) 'ने' विभक्ति रहित।
जैसे- लड़का हँसा। जैसे- मुख्य अतिथि ने पुरस्कार दिया।
'ने' विभक्ति का प्रयोग केवल भूतकाल तथा सकर्मक क्रियाओं के साथ ही किया जाता है।

1. शशांक रोटी खाता है। (परसर्ग रहित)
2. शशांक ने रोटी खाई। (परसर्ग सहित)

2. कर्म कारक :- (विभक्ति चिह्न -'को')
संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप पर क्रिया का प्रभाव या फल पड़े उसे **'कर्मकारक'** कहते हैं।

1. बच्चे पुस्तक पढ़ रहे हैं। (विभक्ति रहित)
2. अनिक रोटी खाता है। (विभक्ति रहित)
3. माता पुत्र को देखती है। (विभक्ति सहित)
4. शिकारी ने बाघ को मारा। (विभक्ति सहित)

कर्म कारक की पहचान :-
कर्म कारक को पहचानने के लिए वाक्य की क्रिया के साथ क्या, किसे या किसको लगाकर प्रश्न करने पर उत्तर में जो कुछ प्राप्त होता है, वह कर्म कारक होता है।

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

कक्षा- आठ(8) शिक्षिका- सुमन शर्मा
विषय- हिंदी व्याकरण उपविषय- कारक

3. **करण कारक :-** (विभक्ति चिह्न- से, के द्वारा, के साथ)

कर्ता अपने कार्य को सम्पन्न करने के लिए किसी-न-किसी साधन का प्रयोग अवश्य करता है। कर्ता द्वारा क्रिया संपन्न करने हेतु जिस साधन की सहायता लेता है; उसे 'करण कारक' कहते हैं। जैसे-

(क) वह बस से विद्यालय जाता है।
(ख) राम ने मृग को बाण से मारा।
(ग) वह मेरे साथ खेलता है।
(घ) राम सीता के साथ वन गए।
(ङ) छात्राएँ कलम के द्वारा लिख रही हैं।

करण कारक की पहचान :-

वाक्य में कर्ता के साथ 'किससे' या किसके द्वारा, किसके साथ प्रश्न करने पर जो उत्तर प्राप्त होता है, वह 'करण कारक' होता है।

बच्चो! अब मैं आपसे प्रश्न पूछूँगी। आप तीन मिनट का अंतराल लेकर प्रश्नों के उत्तर लिखेंगे।

प्रश्न-1 'कर्म कारक' की पहचान बताओ।
प्रश्न-2 'कर्ता कारक' के दो उदाहरण लिखो।
प्रश्न-3 'करण कारक' के विभक्ति चिह्न लिखकर उनके उदाहरण लिखो।

बच्चो! अब आपके अंतराल का समय समाप्त हुआ। मैं इन प्रश्नों के उत्तर बताने जा रही हूँ।

उत्तर-1. कर्म कारक का विभक्ति चिह्न 'को' है।
कर्म कारक को पहचानने के लिए वाक्य की क्रिया के साथ क्या, किसे या किसको लगाकर प्रश्न करने पर उत्तर में जो कुछ प्राप्त होता है, वह कर्म कारक होता है।

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

कक्षा- आठ (8) शिक्षिका- सुमन शर्मा
विषय- हिंदी व्याकरण उपविषय - 'कारक'

उदाहरण :- (क) सुनीता ने गुड़िया खरीदी। (विभक्ति रहित)
(ख) सीता गीता को देख रही है। (विभक्ति सहित)

उत्तर 2. (क) बकरी घास चरती है। (विभक्ति रहित)
(ख) मोहन ने सेब खाया। (विभक्ति सहित)

उत्तर 3. करण कारक के विभक्ति चिह्न से, के द्वारा, के साथ।
उदाहरण - (क) राखी चाकू से सब्जी काट रही है।
(ख) सुधीर कानों से बहरा है।
(ग) पिताजी कार के द्वारा दिल्ली गए।
(घ) मैं पेन के साथ पत्र लिख रहा हूँ।

बच्चो! अब हम कारक को आगे पढ़ते हैं।

4. संप्रदान कारक :- (विभक्ति चिह्न- 'को', के लिए; 'देने के अर्थ में')

संप्रदान का शाब्दिक अर्थ है- 'देना'। वाक्य का कर्ता जिसके लिए कुछ कार्य करे या जिसे कुछ दे वह संप्रदान कारक होता है।
जैसे- (क) मैंने अपने मित्र को एक पुस्तक दी।
(ख) नर्स रोगी के लिए दवाई लाई।
(ग) अंकित भिखारी को एक रुपया दे दो

संप्रदान कारक की पहचान :- वाक्य की क्रिया से पूर्व 'किसको' या 'किसके लिए' प्रश्न करने पर उत्तर में जो कुछ प्राप्त होता है, वह संप्रदान कारक होता है; जैसे-
(क) मोहन पूजा के लिए फूल लाया।

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

टेंडर हार्ट हाईस्कूल, सेक्टर-33-बी, चण्डीगढ़

कक्षा - आठ (8)   शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण   उपविषय - 'कारक'

(ख) माताजी पुत्री के लिए फ्रॉक लाई।
(ग) हमने अपने मित्रों को उपहार दिए।

विशेष :-

* 'को' विभक्ति का प्रयोग 'कर्म कारक' में भी होता है, पर ध्यान रखिए -
* कर्म कारक वाले जिस शब्द के साथ 'को' जुड़ता है, उस पर क्रिया का फल पड़ता है, परन्तु 'संप्रदान कारक' में देने का भाव मुख्य होता है; जैसे -

(क) हमने अपने कई मित्रों को बुलाया। (कर्म कारक)
(ख) हमने अपने कई मित्रों को उपहार दिए। (संप्रदान कारक - देने के अर्थ में।)

(i) बच्चो! आपको कारक की परिभाषा सहित कारक के चार भेदों के बारे में बताया गया है। शेष चार भेदों का वर्णन अगली बार किया जाएगा।
(ii) सब बच्चे कराए गए कार्य को उच्च स्वर में पढ़ेंगे व समझने का प्रयास करेंगे। अब मैं आपको गृहकार्य करने को दे रही हूँ, जो इस प्रकार है -

गृहकार्य :- 'कारक' का कराया गया कार्य अपनी-अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखेंगे तथा अपने द्वारा बनाए गए कुछ नए उदाहरणों के माध्यम से समझने का प्रयास करेंगे।

शेष कार्य अगली बार पढ़ेंगे।

(अंतिम पृष्ठ-7)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner